

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४९/४५ (८०४)

ग्रंथ नाम पुरंदरे यांची इक्रीगित.

विषय म. गव.

9298

हलकनपिथभवा

विष्णुतल्लघुनिगगावधुया

पति यल विष्टर मेरे म प्रीति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

परिग्रामगमेवमरुतमेव

नृदकप्रियाय नमो हरे

या १७ द्वा न दलित दामनिषा

पतियल्लिम्मेतिपल्लुयल्ल

पुनरात्त्याय उक्ता पश्चात्

উত্তমভিষ্ণু ১৮৩৩

दोराग-उरी बियरिदि कि किनेर

मन्वाह श्रीमद्भक्तिविजयविजय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुनर्विप्लवकालिनीसुख

ਗੰਗਾਗੀਰੀਦਾਸਾਜੀਮਾਹਿਕਾ

ଉତ୍ତରାୟନ ଚାନ୍ଦ୍ରମାସ ୧୫

महर्षिभ्यो नमः

वियान्त्रमयमालादिकल्प

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन्त्रमाला

५१

ਭਗਤ ਅੰਬਰੀਸ਼ ਭਟਿਓਲੀ

तन्निष्कमउपुराणद्वितीयः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१८४९ प५

घासपत्रमन्त्र

याउच्यवरुमिदम

मयनपत्रकारिणी
१६७७

४३८८०)

महाराज

6000

663

2000

ਅਨੰਤਰ ੧੪

१०००० द्वा कृष्ण देव सिंहासन

१०००० छरेमहागिम्नपन्धर

५
समस्तपद्ममण्डपमण्डप

हरआल

20000

(13)

920000

+

उत्तरवर्तीमदि उमिषदावाउमिषदा

वीथल्लियाउपुत्रनीकमगयापमक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुनरुत्थानात्पुनरुत्थानात्पुनरुत्थानात्

तन्निमगदहनिनिमगयाउभयभूति

14

~~तीर्त्तयेद्विष्णुं पञ्चमहादेवम्~~

१५५४

४०३२५।२।

चतुष्पदगणितशालाधर्मसूत्रम्

उत्तराष्ट्रप्रदेश

४ मरुत मद्य छेप पु छे या ३ भये छि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

अनुष्ठानप्रकारेण भविष्यति

रामजीरा

१०००००

पानिनिउडिउरुअधम
अधमय। २।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१०००

महिलाश्रमशाला

पारिमिष्यमिह द्वावदिपतयेदरेन

१४३५३

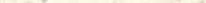
...

मिथ्यानिष्ठान्मसाठिनठिन१२३०

१२२०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मोसादम

३०३२५।५।

[illegible]

५
रत्नापत्रमिहिरा

18

१४६० श्रीवैद्यनाथोदय

१७७१ श्रीवैद्यनाथोदय

४०० श्रीवैद्यनाथोदय

१६९१

19

समस्तभूषणगणपति

२१८८३ समस्तभूषणगणपति

२०२०३ सुदृढिभूषणगणपति

सुदृढिभूषणगणपति

६०००००

सुदृढिभूषणगणपति

मउतमिहिराभूषणगणपति

सुदृढिभूषणगणपति

सुदृढिभूषणगणपति

२१८९३३

सुदृढिभूषणगणपति

२४३८०१

सुदृढिभूषणगणपति

२१८९३३

सुदृढिभूषणगणपति

२४३८०१

सुदृढिभूषणगणपति

२१८९३३

सुदृढिभूषणगणपति

२४३८०१

सुदृढिभूषणगणपति

२१८९३३

सुदृढिभूषणगणपति

२४३८०१

सुदृढिभूषणगणपति

२१८९३३

सुदृढिभूषणगणपति

२४३८०१

सुदृढिभूषणगणपति



१८०॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

६३२
१८०॥११॥
६३२

१८०॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२००॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२००॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२००॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२००॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२००॥११॥
६३२
१८०॥११॥
६३२

२४२६५३५
७७६५३५
२४२६५३५
७७६५३५

१७५१२०
श्रीवैष्णवाचार्य
संस्कृत
७७६५३५

१६२०० पोतानपल्लवमीर्लक्ष्मी
७६०५ श्रीवैष्णव
२२२५॥ श्रीवैष्णव
४८७३॥ श्रीवैष्णव
२००४६ श्रीवैष्णव
६७६१ मायकायान
१७६२००

(38)

२४२६५३५
२०६३५३५

प्रीतिमयिणीं जन्मसाधनं जन्मसाधनं
धर्ममयिणीं जन्मसाधनं जन्मसाधनं
२६० श्रीवैष्णव
२५३ श्रीवैष्णव
१०५३

संस्कृतमयिणीं जन्मसाधनं जन्मसाधनं
२०००० श्रीवैष्णव
२०००० श्रीवैष्णव

१०००० श्रीवैष्णव
२०००० श्रीवैष्णव
२०००० श्रीवैष्णव

१०००० श्रीवैष्णव
१०००० श्रीवैष्णव
१०००० श्रीवैष्णव

(41) १०००० श्रीवैष्णव
२०००० श्रीवैष्णव

२०००० श्रीवैष्णव

२०००० श्रीवैष्णव

१००० श्रीवैष्णव

१०००० श्रीवैष्णव

(42) २०००० श्रीवैष्णव
२०००० श्रीवैष्णव



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com